

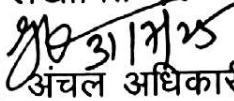
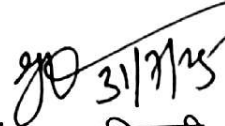
# कार्यालय:- अंचल अधिकारी, सिमरिया।

-:आदेश:-

विविध वाद सं०-18/25-26

श्री रंजन कुमार सिंह वगै, मौजा-मुरवे  
थाना-सिमरिया, जिला-चतरा।

बनाम्  
श्री बैजनाथ सिंह वगै०, मौजा-मुरवे  
थाना-सिमरिया, जिला-चतरा।

आदेश की संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख-सहित
1	2	3
	<p>अभिलेख आदेश हेतु उपस्थापित किया गया है। आवेदक- रंजन कुमार सिंह वगै०, पिता-सुरेश सिंह, मौजा-मुरवे के द्वारा आवेदन देकर सूचित किया गया है कि थाना नं०-145, खाता सं०-31, प्लॉट सं०-992,993,994 रकवा-3.34 ए० मधे रकवा-0.08 ए० का बैजनाथ सिंह वगै०, पिता-बहोरी सिंह, कैलाश सिंह वगै०, पिता-ब्रह्म सिंह, अरुण सिंह वगै०, पिता-प्रेमसागर सिंह, शांति देवी वगै०, पति-कैलाश सिंह वगै०, मानी देवी, पति- स्व० लाखो सिंह, अनिता देवी, पति-बसंत सिंह, अवधेश सिंह, पिता- स्व० रूदो सिंह द्वारा जाली खरीद बिक्री कागजात बनाकर एवं जाली वंशावली बनाकर शिवपुर कठौतिया रेलवे लाईन में अधिगृहित भूमि का मुआवजा लिया गया है। इस संबंध में दोनों पक्षों को नोटिस निर्गत कर राजस्व कागजात की मांग की गई एवं उक्त आवेदन के आलोक में संबंधित राजस्व उपनिरीक्षक से जांच प्रतिवेदन मांग की गई। वर्तमान राजस्व उपनिरीक्षक द्वारा जांच प्रतिवेदन में उल्लेख किया गया है कि मौजा-मुरवे, थाना नं०-145 अंतर्गत खाता सं०-31, प्लॉट सं०-992, 993, 994 वो अन्य कुल रकवा-20.14 ए० भूमि का सर्वे खतियान चौधरी रागो सिंह के नाम से दर्ज है। तथा पंजी-11 के पृष्ठ सं०-70/1 पर हिरो सिंह वगै० के नाम से ऑनलाईन लगान रसीद वर्ष-2021-22 तक निर्गत है। सर्वे खतियान के अनुसार भूमि रैयती खाते की भूमि है। द्वितीय पक्ष के बैजनाथ सिंह वगै० को मुआवजा भू-अर्जन कार्यालय चतरा के अमीन द्वारा रैयत के दखल-कब्जा के अनुसार भू-अर्जन कार्यालय, चतरा द्वारा मुआवजा नोटिस किया गया। नोटिस के आधार पर अंचल कार्यालय, सिमरिया द्वारा मुआवजा हेतु भू-धारण प्रमाण पत्र निर्गत किया गया, जिसमें संबंधित रैयत द्वारा न्यायालय से अभिप्रमाणित शपथ-पत्र भी समर्पित किया गया।</p> <p>प्रथम पक्ष द्वारा समर्पित वंशावली व द्वितीय पक्ष द्वारा समर्पित वंशावली में भिन्नता है एवं संबंधित राजस्व उपनिरीक्षक/प्रभारी अंचल निरीक्षक के जांच प्रतिवेदन से प्रतीत होता है कि यह मामला हक-हकियत है, जिसका निपटारा सक्षम न्यायालय में ही संभव है। वाद की कार्रवाई समाप्त की जाती है। असंतुष्ट पक्ष सक्षम न्यायालय में जाने के लिए स्वतंत्र हैं।</p> <p>लेखापित एवं संशोधित।</p> <p> अंचल अधिकारी, सिमरिया।</p> <p> अंचल अधिकारी, सिमरिया।</p>	